अध्याय - 4

शब्द विचार

हिन्दी में शब्द का निर्माण कई तरह से होता है । इनमें मुख्य साधन हैं – उपसर्ग, प्रत्यय, सन्धि, समास और आवृत्ति । इसी प्रकार संज्ञा शब्द से विशेषण, विशेषण से संज्ञा, क्रिया से क्रियार्थक संज्ञा, धातु से संज्ञा और विशेषण की रचना भी संभव होती है । आगे इन पर विचार किया जा रहा है ।

सार्थक ध्वनियों या ध्वनिसमूह को 'शब्द' कहते हैं । स्रोत के आधार पर हिन्दी का शब्द भण्डार चार प्रकार के शब्दों से भरा है – (i) तत्सम (ii) तद्भव (iii) देशज (iv) विदेशी ।

(i) **तत्सम शब्द** : 'तत्सम' का अर्थ है उसके समान अर्थात् संस्कृत के समान । संस्कृत के जो शब्द हिंदी में ज्यों-वे-त्यों प्रयुक्त होते हैं, उन्हें, 'तत्सम शब्द' कहा जाता है । जैसे – अंधकार, अग्नि, अर्द्ध, अष्ट, अश्रु, आश्चर्य, उज्ज्वल, एकत्र, ओष्ठ, कर्ण, काष्ठ, कूप, क्षेत्र, ग्राम, चूर्ण, जिह्वा, ज्येष्ठ, दन्त, दुग्ध, मयूर, रात्रि, वायु, व्याघ्र, सर्प, हस्त आदि ।

(ii) **तद्भव शब्द** : 'तत्' और 'भव' के योग से 'तद्भव' बना है । अर्थात् उससे यानी संस्कृत से उत्पन्न । संस्कृत के जो शब्द पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि भाषाओं से होते हुए कुछ परिवर्तनों के साथ हिंदी में आए हैं, उन्हें 'तद्भव शब्द' कहते हैं । जैसे – अंधेरा, आग, आधा, आठ, आँसू, अचरज, उजला, इकट्ठा, ओंठ, कान, काठ, कुआँ, खेत, गाँव, चूरा, जीभ, जेठ, दाँत, दूध, मोर, रात, बयार, बाघ, साँप, हाथ आदि ।

(iii) **देशज शब्द** : अपने देश के ग्रामीण क्षेत्रों और जनजातियों में व्यवहृत शब्द देशज कहलाते हैं । इनमें आदिवासी भाषाओं, द्रविड़ भाषाओं तथा हिन्दी के अपने ढंग से बनाए गए शब्द होते हैं; जैसे –

(क) कोल, संथाल आदि भाषाओं से आर्य शब्द – कदली (केला), कपास, कोड़ी, गज (हाथी), टींडा, तोरी, ताम्बूल, परबल, बाजरा, भिंडी, मिर्च, सरसों ।

(ख) द्रविड़ भाषाओं से आए शब्द – ऊखल, कज्जल (काजल), काच, कुटी, कुंड, कुदाल, केतकी, कोण, घुण, चिकना, चंदन, चूड़ी, ताला, दंड, नीर, पिंड, बल, माला, मीन, मुकुट, शव ।

(ग) हिंदी के अपने बनाए गए शब्द – अंडबंड, ऊटपटांग, कड़क, किलकारी, खचाखच, खटपट, खर्राटा, खलबली, गड़गड़ाहट, चटपटा, चाट, चिड़चिड़ा, चुटकी, छिछला, झंकार, टुच्चा, धमक, पटाखा, पापड़, भभक, भोंपू, मुस्टंडा, कटकटाना, खटखटाना, खुरचना, घुड़कना, सनसनाना, हिनहिनाना ।

(iv) **विदेशी शब्द :** ये बाहर के देश की भाषाओं के शब्द हैं । ऐसे शब्द विशेष रूप से अरबी, फारसी, तुर्की, अंग्रेजी भाषाओं से हिन्दी में आए हैं । जैसे –

(क) अरबी शब्द – अल्लाह, अदालत, इम्तिहान, इरादा, ईद, औरत, किताब, जिला, तहसील, तारीख, बुनियाद, मजहब, मुकदमा, साफ, सिफारिश हलवाई ।

(ख) फारसी शब्द – अगर, आराम, आफत, आमदनी, आवारा, आसमान, आईना, कारीगर, कुरता, खुश, गंदा, गवाह, चालाक, जलेबी, जुलाहा, जुकाम, तेज़, दफ्तर, दर्ज़ी, बरामदा, बुखार, बुलबुल, बेकार, मकान, मज़दूरी मुश्किल, मेहनत, समोसा, साल ।

(ग) तुर्की शब्द – उर्दू, काबू, कूच, कुली, कैंची, खंजर, गलीचा, चाकू, चेचक, चम्मच, तोप, दरोगा, बहादुर, बारूद, बेगम, लाश, सराय ।

(घ) पुर्त्तगाली शब्द – अनायास, आलमारी, आलपीन, कोको, कमीज, गमला, गोभी, गिरजा, चाभी, तौलिया, नीलाम, पपीता, पावरोटी, पेड़ा, पादरी, फालतू, बाल्टी, मेज ।

(ङ) अंग्रेजी शब्द – अपील, अस्पताल, ऑफीसर, ऑपरेशन, इंजन, कप, कलक्टर, कॉपी, कॉलेज, केक, कोट, कोर्ट, चाकलेट, जग, जज, जंपर, टैक्स, टॉफी, टोस्ट, ट्रेन, डॉक्टर, ड्रेन, नर्स, पेन्शन, पेन, पेंसिल, पेंटर, पैंट, प्लेट, प्लेटफॉर्म, ब्लाउज, बैग, बूट, बिस्कुट, बैटरी, बस, मोटर, माचिस, मजिस्ट्रेट, लाइब्रेरी, लैंप, वोट, वार्ड, स्कूल, स्टेशन, हैट ।

- **अर्थ के आधार पर शब्द –**

हिन्दी का शब्द-भण्डार निम्न प्रकारों का है –

(i) अनेकार्थी शब्द (ii) समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द (iii) विलोम या विपरीतार्थक शब्द (iv) भिन्नार्थक शब्द (v) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (vi) सूक्ष्म अर्थ भेदवाले शब्द । इनके कुछ उदाहरण दिए जा रहे हैं –

(i) अनेकार्थी शब्द –

शब्द		**अनेक अर्थ**	**शब्द**		**अनेक अर्थ**
अंग	–	अवयव, भाग	अंबर	–	आकाश, कपड़ा
अक्षर	–	वर्ण, ब्रह्म, नित्य	अकाल	–	दुर्भिक्ष, असमय
अपेक्षा	–	आशा, बनिस्बत	आम	–	एक फल, सामान्य
कर	–	हाथ, किरण, टैक्स	कुल	–	वंश, सब
गुरु	–	आचार्य / शिक्षक, भारी	गोली	–	औषधि, बंदूक की गोली
जड़	–	मूल, मूर्ख, अचेतन	जीवन	–	जल, प्राण
दल	–	मण्डली, पंखुड़ी	पक्ष	–	पंख, पन्द्रह दिन, ओर
पत्र	–	चिट्ठी, पत्ता	पद	–	पैर, उपाधि, कविता का पद
पय	–	दूध, पानी	पृष्ठ	–	पीठ, पन्ना
पानी	–	जल, इज्जत, चमक	भूत	–	भूतकाल, प्रेत, प्राणी
वर्ण	–	अक्षर, जाति, रंग	सर	–	सिर, तालाब
हार	–	फूलों का हार, पराजय	फल	–	पेड़ का फल, नतीजा/परिणाम
हल	–	खेती करने का हल, समाधान			

(ii) समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द –

शब्द		समान अर्थवाले शब्द
अग्नि	–	आग, पावक, हुताशन, अनल
अंधकार	–	अंधेरा, तिमिर, तम, अंधियारा
अमृत	–	अमिय, सुधा, पीयूष
असुर	–	दनुज, दानव, दैत्य, निशाचर, राक्षस
आँख	–	चक्षु, दृग, नयन, नेत्र, लोचन
आकाश	–	अम्बर, आसमान, गगन, व्योम, नभ, अन्तरिक्ष
कपड़ा	–	चीर, वसन, दुकूल, पट
कमल	–	पंकज, जलज, अरविंद, कमल, पद्म, सरोज
किनारा	–	कगार, तट, तीर
गर्व	–	अभिमान, अहंकार, घमण्ड, दंभ
गणेश	–	गजानन, गणपति, लम्बोदर, विनायक
घर	–	आलय, गृह, भवन, निलय, सदन
घोड़ा	–	अश्व, घोटक, तुरंग, बाजि, हय
चन्द्रमा	–	इंदु, चन्द्र, चाँद, निशाकर, शशांक, शशि, सुधाकर
चतुर	–	कुशल, दक्ष, निपुण, पटु, प्रवीण
जल	–	अम्बु, उदक, तोय, नीर, पानी, वारि, सलिल, पय
दिन	–	दिवस, दिवा, वासर
देह	–	काया, तन, शरीर, वदन
ध्वजा	–	केतु, पताका, झण्डा, निशान
नदी	–	सरिता, तटिनी, तरंगिणी
नाव	–	नौका, तरणी
पक्षी	–	खग, चिड़िया, विहंग, विहग
पत्नी	–	अर्धांगिनी, दारा, भार्या, सहधर्मिणी
पत्थर	–	पाषाण, प्रस्तर, उपल
पवन	–	मरुत, वायु, समीर, हवा

पर्वत	–	गिरि, नग, पहाड़, शैल
पृथ्वी	–	अवनि, धरा, धरती, भू, भूमि, वसुधा, वसुंधरा
बगीचा	–	उद्यान, उपवन, वाटिका, फुलवाड़ी
बन्दर	–	कपि, वानर, मर्कट
बादल	–	घन, जलद, जलधर, नीरद, मेघ, पयोद, वारिद
बिजली	–	चपला, तड़ित, दामिनी, सौदामिनी
भौंरा	–	अलि, भ्रमर, मधुकर, मधुप
मछली	–	मीन, मत्स्य, झस
मनुष्य	–	आदमी, इंसान, मनुज, मानव, व्यक्ति
महादेव	–	त्रिलोचन, महेश्वर, शंकर, शंभु, शिव, हर
मित्र	–	दोस्त, बंधु, सखा, साथी, सुहृद, स्वजन
माता	–	माँ, अम्बा, जननी, धात्री
राजा	–	नरपति, नरेश, नरेन्द्र, नृप, भूप, भूपाल, सम्राट
रात	–	यामिनी, रजनी, रात्रि, विभावरी
वन	–	अरण्य, कानन, जंगल, विपिन
विष्णु	–	हरि, केशव, नारायण, चतुर्भुज
वृक्ष	–	तरु, द्रुम, पादप, पेड़
शत्रु	–	अरि, दुश्मन, रिपु, वैरी
संसार	–	जग, जगत, भव, लोक, विश्व
समुद्र	–	रत्नाकर, वारिधि, सागर, सिंधु
सर्प	–	अहि, नाग, उरग, भुजंग, फणी, साँप, विषधर
स्त्री	–	औरत, अबला, नारी, महिला, वनिता, वामा
सुगंध	–	खुशबू, महक, सौरभ, सुरभि
सूर्य	–	आदित्य, दिनकर, भानु, भास्कर, रवि, दिवाकर, अर्क
सोना	–	कनक, कुन्दन, स्वर्ण, हेम
हाथी	–	कुंजर, करि, गज, नाग, हस्ती, मतंग

(iii) विपरीतार्थक या विलोम शब्द –

शब्द		विलोमशब्द	शब्द		विलोमशब्द
आस्तिक	–	नास्तिक	सभय	–	निर्भय
इच्छा	–	अनिच्छा	यश	–	अपयश
कसूर	–	बेकसूर	योग	–	वियोग
कानून	–	गैरकानून	रहम	–	बेरहम
गुण	–	अवगुण	रुचि	–	अरुचि
चाल	–	कुचाल	सत्य	–	असत्य
जय	–	पराजय	सम	–	विषम
छल	–	निश्छल	स्वस्थ	–	अस्वस्थ
पक्ष	–	विपक्ष	हाजिर	–	गैरहाजिर
सुपात्र	–	कुपात्र	हिंसा	–	अहिंसा

उपसर्गों के परिवर्तन से बननेवाले विलोम शब्द :

अनुकूल	–	प्रतिकूल	कड़ुवा	–	मीठा
अपमान	–	सम्मान	संयोग	–	वियोग
अवनति	–	उन्नति	सजीव	–	निर्जीव
आदान	–	प्रदान	सज्जन	–	दुर्जन
खुशबू	–	बदबू	सदय	–	निर्दय
दुराचारी	–	सदाचारी	सदाचार	–	दुराचार
निरक्षर	–	साक्षर	सरस	–	नीरस
परतंत्र	–	स्वतंत्र	सुकर्म	–	कुकर्म/दुष्कर्म
विपत्ति	–	संपत्ति	सुगंध	–	दुर्गंध
ऊपर	–	नीचे	सुमति	–	कुमति
आगे	–	पीछे	सुमार्ग	–	कुमार्ग
अंधकार	–	प्रकाश	सुलभ	–	दुर्लभ
सूखा	–	गीला	स्वाधीन	–	पराधीन

भिन्न शब्दों के प्रयोग से बननेवाले विलोम शब्द :

अच्छाई	–	बुराई
अल्पायु	–	दीर्घायु
अन्दर	–	बाहर
उत्तम	–	अधम
उदय	–	अस्त
उदार	–	अनुदार/कृपण
ऊँचा	–	नीचा
एड़ी	–	चोटी
ऐच्छिक	–	अनिवार्य
कच्चा	–	पक्का
कठिन	–	सरल
कठोर	–	कोमल
खरा	–	खोटा
खराब	–	अच्छा
गन्दा	–	साफ
गरीबी	–	अमीरी
गलत	–	सही
छाँह	–	धूप
जंगम	–	स्थावर
जड़	–	चेतन
ठण्डा	–	गर्म
थोड़ा	–	बहुत
दक्षिण	–	उत्तर
दरिद्र	–	धनी
दु:ख	–	सुख
देव	–	दानव
दोष	–	गुण
नफा	–	नुकसान
नवीन	–	प्राचीन
निकास	–	प्रवेश
निर्यात	–	आयात
पाप	–	पुण्य
बाढ़	–	सूखा
भावी	–	भूत
भिन्न	–	अभिन्न
लाभ	–	हानि
विधि	–	निषेध
सीधा	–	टेढ़ा
हार	–	जीत

(iv) भिन्नार्थक शब्द –

प्राय: एक शब्द को थोड़े भिन्न हिज्जे में लिखने से उनमें अर्थ का अन्तर हो जाता है। ऐसे शब्दों की एक सूची नीचे दी जा रही है –

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
अगम	–	दुर्गम	आसन	–	बैठने का आधार
आगम	–	शास्त्र	आकर	–	भण्डार
अचल	–	पर्वत	आकार	–	रूप, ढाँचा
अचला	–	पृथ्वी	आदि	–	बगैरह
अनल	–	आग	आदी	–	अभ्यस्त
अनिल	–	हवा	आवास	–	रहने का स्थान
अन्न	–	अनाज	आभास	–	झलक
अन्य	–	दूसरा	इत्र	–	सुगंधित द्रव
अपेक्षा	–	आशा, तुलना में	इतर	–	भिन्न
उपेक्षा	–	निरादर	उधार	–	ऋण
अमित	–	बहुत	उद्धार	–	छुटकारा
अमीत	–	शत्रु	उन	–	'वह' का विकारी रूप
अलि	–	भौंरा	ऊन	–	न्यून / भेड़ के बाल
अली	–	सखी	उपल	–	पत्थर
अवधि	–	समय	उपला	–	गोबर का कण्डा
अवधी	–	एक भाषा	कर्ण	–	कान / त्रिभुज का कर्ण
अवलम्ब	–	सहारा	करण	–	साधन, एक कारक
अविलम्ब	–	शीघ्र	कलि	–	कलियुग
अवश	–	लाचार	कली	–	अधखिला फूल
अवश्य	–	जरूर	कांति	–	चमक
अशन	–	भोजन	क्रांति	–	विद्रोह, परिवर्तन

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
कोर	–	किनारा	ज़गत	–	कुएँ का चबूतरा
कौर	–	ग्रास	जरा	–	बुढ़ापा
कुल	–	वंश	ज़रा	–	थोड़ा
कूल	–	किनारा	जलद	–	बादल
कृति	–	रचना	जलज	–	कमल
कृती	–	निपुण	तरंग	–	लहर
कृपाण	–	कटार	तुरंग	–	घोड़ा
कृपण	–	कंजूस	तरणि	–	सूर्य
कृष्ण	–	काला / श्रीकृष्ण	तरणी	–	नाव
कृष्णा	–	द्रौपदी	तीस	–	तीस की संख्या
कोश	–	शब्दकोश	टीस	–	कसक/पीड़ा
कोष	–	खजाना	दारु	–	लकड़ी
क्षत्र	–	क्षत्रिय	दारू	–	शराब
छत्र	–	छाता	दिन	–	दिवस
खिल	–	परती जमीन	दीन	–	गरीब
खील	–	लावा	द्विप	–	हाथी
चिता	–	शव जलाने की चिता	द्वीप	–	टापू (पानी के बीच)
चीता	–	एक जंगली जानवर	दिया	–	देना क्रिया का रूप
चिर	–	सदा	दीया	–	दीपक
चीर	–	कपड़ा	धुल	–	धुलना क्रिया का रूप
चुना	–	चुना हुआ	धूल	–	रज
चूना	–	सीप से प्रयुक्त क्षार	नियत	–	निश्चित
चेन	–	जंजीर	नीयत	–	स्वभाव / इरादा
चैन	–	आराम	नीरज	–	कमल
जगत	–	संसार	नीरद	–	बादल

शब्द		अर्थ
निशान	–	चिह्न
निसान	–	झण्डा
नेति	–	न इति, जिसका अंत नहीं है
नेती	–	मथानी की रस्सी
परिच्छद	–	पोषाक
परिच्छेद	–	अध्याय
परिमाण	–	मात्रा
परिणाम	–	नतीजा
पवन	–	वायु
पावन	–	पवित्र
पानी	–	जल
पाणि	–	हाथ
पाश	–	बंधन
पास	–	नजदीक
प्रवाह	–	बहाव
परवाह	–	चिन्ता
प्रसाद	–	कृपा
प्रासाद	–	महल
प्रहार	–	आघात
परिहार	–	त्याग
पिता	–	बाप
पीता	–	‘पी’ धातु / क्रिया का रूप
फुट	–	नापने की इकाई

शब्द		अर्थ
फूट	–	बैर, एक फल
फाका	–	अनाहार
फाँका	–	फाँकने की क्रिया
फलाँ	–	अमुक
फलाँग	–	छलाँग
बदन	–	शरीर
वदन	–	मुख
बन	–	‘बनना’ क्रिया का रूप
वन	–	जंगल
बहन	–	भगिनी
वहन	–	ढोना
बात	–	वचन
वात	–	हवा
बार	–	दफा
वार	–	चोट, सप्ताह के वार। (सोम, मंगल आदि)
बारिश	–	वर्षा
वारीश	–	समुद्र
बोना	–	बिखेरना
बौना	–	छोटा, ठिगने कद का
भिड़	–	बर्रे
भीड़	–	समूह
मिल	–	‘मिलना’ क्रिया का रूप
मील	–	रास्ते का नाप

शब्द		अर्थ
मेल	–	मिलन
मैल	–	मल, गन्दगी
मोर	–	मयूर पक्षी
मौर	–	मुकुट
रग़	–	नस
रंग	–	वर्ण
राज	–	शासन
राज़	–	रहस्य
लक्ष	–	लाख
लक्ष्य	–	उद्देश्य
विश	–	कमल का डण्ठल
विष	–	ज़हर
विषमय	–	ज़हरीला
विस्मय	–	आश्चर्य
शंकर	–	शिव
संकर	–	मिश्रित
शील	–	चरित्र
शिल	–	शिला
शिवा	–	शिव की पत्नी पार्वती
शीवा	–	अजगर
शोक	–	मन की पीड़ा
शौक	–	व्यसन
शुचि	–	पवित्र
सूची	–	सूई, विषयक्रम

शब्द		अर्थ
शत्रु	–	दुश्मन
सत्र	–	वर्ष, निश्चित समय
शर	–	बाण
सर	–	सिर, तालाब
शस्त्र	–	हथियार
शास्त्र	–	सिद्धांत ग्रन्थ
शाला	–	घर
साला	–	पत्नी का भाई
शुल्क	–	फीस, टैक्स
शुक्ल	–	सफेद, उज्ज्वल
शीशा	–	काँच
सीसा	–	एक धातु
शुकर	–	सूअर (एक जानवर)
सुकर	–	आसानी से होनेवाला
सूर	–	सूर्य
सुर	–	देवता
समान	–	बराबर, तरह
सामान	–	सामग्री
सास	–	पति या पत्नी की माँ
साँस	–	नाक से हवा लेना-छोड़ना
सुत	–	बेटा
सूत	–	धागा, सारथी
सुधि	–	स्मरण
सुधी	–	विद्वान

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
सुख	–	आनन्द	हरी	–	हरे रंग की
सूखा	–	अकाल	हल्	–	एक मात्रा
सेर	–	एक तौल	हल	–	खेत जोतने का औजार
सैर	–	भ्रमण, घूमना	हँसी	–	हँसने की क्रिया
हरि	–	विष्णु	हंसी	–	मादा हंस (एक पक्षी)

(v) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द –

अनेक शब्दों में		एक शब्द
पहले जन्म लेनेवाला	–	अग्रज
जिसके समान कोई दूसरा न हो	–	अद्वितीय
जिसे टाला न जा सके	–	अनिवार्य
जो पढ़ा-लिखा न हो	–	अनपढ़
जिसके माता-पिता न हों	–	अनाथ
पीछे / बाद में जन्म लेनेवाला	–	अनुज
जिसकी उपमा न हो	–	अनुपम
जो कभी नहीं मरता	–	अमर
जिसका वर्णन न किया जा सके	–	अवर्णनीय
जो अवश्य हो	–	अवश्यम्भावी
जिसका विश्वास न किया जा सके	–	अविश्वसनीय
जो ईश्वर को मानता हो	–	आस्तिक
जो बाद में पाने का अधिकारी बने	–	उत्तराधिकारी

जो काम से जी चुराता हो	–	कामचोर
जो किए गए उपकार को माने	–	कृतज्ञ
जो किए गए उपकार को न माने	–	कृतघ्न
गुप्त रखने योग्य	–	गोपनीय
घर से संबंधित	–	घरेलू
दूसरे की निंदा करनेवाला	–	निन्दक

(vi) ध्वनिबोधक शब्द –

(क) प्राणियों की ध्वनि के आधार पर :

प्राणी		**ध्वनि**	**प्राणी**		**ध्वनि**
कौआ	–	काँव काँव करना	हाथी	–	चिंघाड़ना
बंदर	–	किकियाना	चूहा	–	चूँ चूँ करना
मुर्गा	–	कुकड़ू कूँ करना	झींगुर	–	झंकारना
मोर	–	कुहकना/केंकना	मेंढक	–	टर्र टर्र करना
कोयल	–	कूकना	तोता	–	टें-टें करना
हंस	–	कूजना	साँड़	–	डकारना
भालू	–	खों-खों करना	शेर	–	दहाड़ना
भौंरा	–	गुंजारना	पपीहा	–	पी-पी करना
कबूतर	–	गुटर गूँ करना	साँप	–	फुफकारना
बाघ	–	गुर्राना	ऊंट	–	बलबलाना
उल्लू	–	घुघुआना	कीड़े	–	बिलबिलाना
चिड़िया	–	चहचहाना	मक्खियाँ	–	भिनभिनाना

प्राणी		ध्वनि	प्राणी		ध्वनि
कुत्ता	–	भौंकना	गधा	–	रेंकना
बकरी/भेड़	–	मिमियाना	घोड़ा	–	हिनहिनाता
बिल्ली	–	म्याऊँ-म्याऊँ करना	सियार	–	हुआ हुआ करना
गाय	–	रँभाना			

(ख) वस्तुओं की ध्वनि के आधार पर :

वस्तु		ध्वनि	वस्तु		ध्वनि
दाँत	–	कटकटाना	जूते	–	चरमराना
दरवाजा	–	खटखटाना	झरना	–	झर-झर करना
पत्ता	–	खड़खड़ाना	घड़ी	–	टिक् टिक् करना
चूड़ियाँ	–	खनखनाना	बरतन	–	ठनठनाना
बादल	–	गड़गड़ाना/ घुमडना/ गरजना	बंदूक	–	दनदनाना
पायल	–	छनछनाना	दिल	–	धड़कना
लकड़ी	–	चटचटाना	पीठ	–	थपथपाना
पंख	–	फड़फड़ाना	हवा	–	सनसनाना

(ग) दृश्य के अनुकरण के आधार पर :

बिजली	–	चमकना	नाव	–	डगमगाना
धूप	–	चिलचिलाना	जीभ	–	लपलपाना
तारे	–	झिलमिलाना	खेत	–	लहलहाना
दीपक	–	टिमटिमाना			